डॉ. एलेन फिलिप्स, एस्तेर, व्याख्यान 3

© 2024 इलेन फिलिप्स और टेड हिल्डेब्रांट

अध्याय तीन में हम यहूदियों के दुश्मन हामान से मिलते हैं। जैसे ही अध्याय तीन शुरू होता है, कथा को आश्चर्यजनक रूप से कम करके आंका जाता है। वास्तव में, जैसा कि हम श्लोक सात से सीखेंगे, अध्याय दो के अंत में विफल तख्तापलट और हामान के सत्ता में आने के बीच पांच साल बीत चुके थे, और इस अंतराल में महत्वपूर्ण बदलावों के संकेत हैं।

अध्याय एक में राजा को घेरने वाले नामित सलाहकारों की बहुतायत गायब हो गई, और हामान को उनके स्थान पर अकेले अधिकार दिया गया, शायद धमकी भरे राजा द्वारा लगाए गए सुरक्षा उपायों का परिणाम था। पद एक के अनुसार, राजा ने हामान को महान बनाया, उसे ऊपर उठाया, और एक पदानुक्रम बनाते हुए उसे दूसरों के ऊपर बिठाया। सामान्य दो के स्थान पर तीन क्रियाओं का प्रयोग इस उत्थान के महत्व को दर्शाता है।

इसके अलावा, यह हामान ही था जिसे मोर्दकै की अपेक्षित पदोन्नति के बदले सम्मानित किया गया था। श्लोक दो इस प्रकार पढ़ता है, राजा के द्वार पर सभी शाही अधिकारियों ने घुटने टेक दिए और हामान को श्रद्धांजलि या सम्मान दिया, क्योंकि राजा ने उसके संबंध में यह आदेश दिया था, लेकिन मोर्दकै ने घुटने टेके या उसे सम्मान नहीं दिया। घुटने टेकना और सम्मान देना दोहरेपन की एक और शैली है, और इस कथा के लिए व्याख्या महत्वपूर्ण है।

इन शब्दों का विशेष अर्थ है घुटने मोड़ना और चेहरे के बल गिरना। कृदंत लगातार झुकने और कुरेदने का सुझाव दे सकते हैं। चूँकि राजा ने इस अभ्यास का आदेश दिया था, इसे उसकी स्वीकृति प्राप्त थी, और इसका मतलब राजनीतिक दृष्टिकोण से कुछ अप्रिय नहीं था।

हालाँकि, मोर्दकै ने घुटने नहीं टेके, वह खुद को साष्टांग नहीं झुकाया, और श्लोक चार का निहितार्थ यह है कि इसका उसके यहूदी होने से सब कुछ लेना-देना था। दोनों विनम्रता और श्रेष्ठ की पहचान के कार्य थे। जबकि बाइबिल पाठ में ऐसे कई उदाहरण हैं जहां इज़राइली राजाओं और वास्तव में अन्य वरिष्ठों के सामने झुकते थे, उन संदर्भों में अभिव्यक्तियाँ समान नहीं हैं।

यहाँ, हिब्रू शब्द कोर'इम उ'मिश्ताहाविम हैं। किसी अन्य मानव के सम्मान का वर्णन करने वाले किसी भी अनुच्छेद में हिब्रू शब्दों की एक ही जोड़ी नहीं पाई जाती है। इसके बजाय, जब इन दोनों क्रियाओं का एक साथ उपयोग किया जाता है, तो व्यक्ति उन्हें भगवान की उपस्थिति में निष्पादित कर रहा होता है।

यह घटना गेट परिसर में हो रही थी, जो इतना विस्तृत था कि हामान को मोर्दकै के गैर-अनुपालन पर ध्यान नहीं आया जब तक कि उसे सूचित नहीं किया गया। श्लोक तीन की ओर बढ़ते हुए, यह इंगित करता है कि स्पष्ट रूप से लागू एकरूपता थी, और मोर्दकै का व्यवहार राजा के कानून की सविनय अवज्ञा के साथ-साथ हामान के सम्मान का सार्वजनिक अपमान भी था। सेवकों ने मोर्दकै के सामने हामान से पूछताछ करना एक चुनौती थी।

श्लोक चार में, हम नौकरों को दिन-ब-दिन मोर्दकै की देखभाल करते हुए पाते हैं, लेकिन उसने वस्तुतः उनकी बात नहीं सुनी, एक अभिव्यक्ति जो अक्सर आज्ञाकारिता को संदर्भित करती है। फिर भी, उन्होंने नौकरों को एक स्पष्टीकरण दिया, जो कोर'इम उमिश्ताहविम के अर्थ की ओर इशारा करता है। उनके न झुकने का संबंध उनकी यहूदी पहचान से था।

हामान को इसकी सूचना देते समय, नौकर यह निर्धारित करना चाहते थे कि क्या शब्द या कार्य, दिवरेई शब्द का अर्थ दोनों हो सकते हैं, कायम रहेंगे। यदि यह शब्द शब्दों को सूचित करता है, तो उसके यहूदी होने के दावे का अर्थ यह हो सकता है कि वह जातीय और धार्मिक छूट पर निर्भर था। दूसरी ओर, यदि सामान्य विचार रवैया था, साथ ही साथ कार्रवाई भी थी, तो नौकर यह देखने के लिए उत्सुक थे कि कथित अवज्ञा को सहन किया जाएगा या नहीं।

हामान को बताने का उनका निर्णय द्वेषपूर्ण इरादे को दर्शाता है। इस बिंदु तक, हामान ने ध्यान नहीं दिया था, और शायद वह अनजान बना रहा। लेकिन एक बार जब सेवकों को पता चला कि मोर्दकै यहूदी है, तो उन्होंने न केवल उसे झुकने के लिए मनाने की कोशिश करना बंद कर दिया, जैसा कि वे कर रहे थे, बल्कि उन्होंने मामला हामान को सौंप दिया।

आइए श्लोक पाँच और छः पढ़ें। जब हामान ने देखा कि मोर्दकै घुटने टेककर उसका आदर नहीं करेगा, तो वह क्रोधित हुआ। फिर भी, यह जानने के बाद कि मोर्दकै के लोग कौन थे, उसने केवल मोर्दकै को मारने के विचार का तिरस्कार किया।

इसके बजाय, हामान ने ज़ेरक्सस के पूरे राज्य में मोर्दकै के सभी लोगों, यहूदियों को नष्ट करने का रास्ता खोजा। हामान का क्रोध कई बिंदुओं से उत्पन्न हो सकता है। एक बात तो यह है कि उनके सम्मान का यह सार्वजनिक अपमान पिछले कुछ समय से हो रहा था।

वस्तुतः, वह घुटने टेक रहा था या झुक नहीं रहा था, ऐसा माना जाता है, और इसके अलावा, वह इस पर ध्यान देने में विफल रहा था। यह सच्चा अपमान था. यदि जातीय झगड़े ने मोर्दकै के समान ही उसकी शत्रुता में योगदान दिया, तो इससे यह भी स्पष्ट हो सकता है कि वह क्रोध से क्यों भरा हुआ था।

अपमानित होने के बाद, हामान ने एक बड़े पैमाने पर प्रतिशोध की योजना बनाई, जिसके द्वारा उसका इरादा मोर्दकै का अपमान करना और उसके लोगों का सर्वनाश करना था। मोर्दकै के लोगों की अभिव्यक्ति दो बार दोहराई गई है। सबसे पहले, हामान को मोर्दकै के साथ उनके रिश्ते के बारे में बताया गया।

फिर, वे उसके दुष्ट इरादे का निशाना बन गए। कुछ, शायद शाऊल की सीनेट और अगाग की सीनेट के बीच लंबे समय से चली आ रही जातीय दुश्मनी, या शायद अधिक व्यापक रूप से पनप रही यहूदी-विरोधी भावना, ने हामान को इतना उत्तेजित कर दिया कि यह वास्तव में जातीय सफाई की योजना बन गई। श्लोक 7 का हिब्रू पाठ एक उद्धरण के साथ शुरू होता है, पहले महीने में, निसान का महीना, फसह का एक स्पष्ट अनुस्मारक और उस महान मुक्ति का।

यह राजा के शासनकाल का बारहवां वर्ष था, हम यहां सीखते हैं, अध्याय 2 की घटनाओं के पांच साल बाद, एस्तेर का सिंहासन पर पहुंचना और मोर्दकै द्वारा हत्या के प्रयास का अनजाने में खुलासा। उस गरीब को, स्पष्ट रूप से निश्चित लेख के बिना, लॉट, हा-गोरल के रूप में पहचाना गया था, यह दर्शाता है कि प्रारंभिक दर्शक विदेशी शब्द गरीब से अपरिचित रहे होंगे, लेकिन लॉट डालने की प्रथा को अच्छी तरह से जानते थे। वास्तव में, बाइबिल का पाठ गतिविधियों की एक विस्तृत श्रृंखला में लॉट के उपयोग की पुष्टि करता है।

पद 8. तब हामान ने राजा क्षयर्ष से कहा, तेरे राज्य के सब प्रान्तोंमें देश देश के लोगोंके बीच में एक ऐसी जाति बिखरी हुई और बिखरी हुई है जो अपने आप को अलग रखती है। उनके रीति-रिवाज अन्य सभी लोगों से भिन्न हैं, और वे राजा के कानूनों का पालन नहीं करते हैं। उन्हें सहन करना राजा के हित में नहीं है।

हम यहां देखते हैं कि हामान की राजा तक अप्रतिबंधित पहुंच थी, यह विशेषाधिकार रानी सहित बाकी लोगों को नहीं मिलता था। हामान ने यह आरोप रखा कि हमने अस्पष्ट पढ़ा है, जो उसके द्वारा मांगी गई अनुमति प्राप्त करने के लिए अपरिहार्य था। उनका वर्णन कपटपूर्ण था, और शुरुआती पंक्ति में दोहरी बढ़त थी।

एक निश्चित लोग, हिब्रू आह-मी-चाड है, ने उन्हें भयावह बना दिया क्योंकि वे अनाम थे, और फिर भी केवल एक थे, और इसलिए महत्वहीन और शायद अपरिहार्य थे। लोगों के नाम को दबाने से मोर्दकै जैसे व्यक्तियों की पहचान करना बंद हो गया, जिन्हें यहूदी के रूप में जाना जाता था। हामान की प्रस्तुति सच्चाई से शुरू हुई।

वे वास्तव में बिखरे हुए लोग थे और कुछ मायनों में अलग हो गए थे। हालाँकि, यह आरोप आधे-अधूरे सच में बदल गया, कि उनके अलग-अलग रीति-रिवाज थे, और अंततः एक सफ़ेद झूठ, कि उन्होंने राजा के कानूनों का पालन नहीं किया। हामान ने सावधानी से राजा को यह नहीं बताया कि किन कानूनों का पालन नहीं किया गया।

यदि दबाव डाला गया, तो उसने केवल यही उद्धृत किया होगा कि उसे झुकने का आदेश दिया जाएगा। हामान की अंतिम चाल मामले को व्यावहारिक शब्दों में रखना थी। राजा के लिये उन्हें विश्राम देना उचित नहीं है।

इसके साथ आगे बढ़ते हुए, राजा के समक्ष अपनी विनती करते हुए, श्लोक नौ में लिखा है, यदि यह राजा को प्रसन्न करता है, तो उन्हें नष्ट करने का आदेश जारी किया जाए, और मैं इसे करने वाले पुरुषों के लिए शाही खजाने में 10,000 प्रतिभाओं की चांदी डालूंगा। व्यापार। अनिवार्यता की प्रस्तावना करते हुए, यदि यह राजा को प्रसन्न करता है, हामान ने समाधान के रूप में एक डिक्री का प्रस्ताव रखा। निष्क्रिय, इसे उनके विनाश के लिए लिखा जाए, किसी एक व्यक्ति, राजा या हामान से जिम्मेदारी हटा दी गई, और इसे फिर से, अनाम नौकरशाही के पास डाल दिया गया।

अनुमान है कि हामान की 10,000 प्रतिभाओं की पेशकश फ़ारसी साम्राज्य के वार्षिक राजस्व का लगभग 60 प्रतिशत थी। हेरोडोटस से हमें पता चलता है कि डेरियस के अधीन इसका कुल राजस्व 14,560 प्रतिभाएँ था। स्पष्ट रूप से, एक ऐसे राज्य में दूसरे व्यक्ति के रूप में जहां निरंकुशों ने संभवतः भारी मात्रा में धन इकट्ठा किया था, हामान के पास काफी संसाधन थे।

हालाँकि, ऐसा लगता है कि यह उन सीमाओं से भी परे है। एक संभावित व्याख्या यह है कि उसका इरादा इस अदायगी का कम से कम एक हिस्सा यहूदियों की संपत्ति लूटने से आना था, भले ही उसने ऐसा कहा जैसे कि यह राशि उसके अपने खजाने से आएगी। अतिरिक्त इनाम के वादे से प्रेरित होकर, उसने शायद सोचा कि लूट की बाढ़ आ जाएगी और हामान इसका उपयोग उन लोगों को भुगतान करने के लिए कर सकता है जो अतिरिक्त लूट लाए थे, यह प्राचीन काल से घातक परिणामों वाला एक घोटाला था।

यह राजा के लालच के लिए एक स्पष्ट अपील थी, और यदि ज़ेरक्स के संसाधन युद्ध के प्रयासों से गंभीर रूप से समाप्त हो गए होते, तो यह वास्तव में काफी आकर्षक होता। राजा के सामने हामान की प्रस्तुति का एक और संभावित शैतानी पहलू है, और यहां हमें यह मान लेना चाहिए, और यह एक अनुमान है, कि हिब्रू पाठ का वर्णनकर्ता मूल संवाद में संभावित महत्वपूर्ण शब्द नाटक को अनुवाद में संरक्षित करने के लिए सावधान था। हो सकता है कि हामान ने जानबूझकर अवद की समान ध्वनियाँ बजाई हों, जो अलेफ से लिखी जाती हैं, जिसका अर्थ है नष्ट करना, और अवद, जिसे अयिन से लिखा जाता है, जिसका अर्थ है गुलाम बनाना।

यदि वास्तव में ऐसा होता, तो इससे पूर्ववर्ती श्लोक में इन अनाम लोगों को आराम न करने देने की उनकी अपील की व्याख्या हो जाती। यह एस्तेर के इस प्रभाव के बाद के संदर्भ को समझने के लिए एक व्याख्यात्मक रूपरेखा भी प्रदान कर सकता है कि यदि उन्हें केवल गुलामी में बेच दिया गया होता, तो वह चुप रहती, अध्याय 7। और अंत में, यह समझा सकता है कि राजा को डिक्री के बारे में इतना अस्पष्ट क्यों लग रहा था जिसे एस्तेर ने संदर्भित किया था। उसे विश्वास दिलाया गया था कि हामान का इरादा गुलामी का था जबकि यह वास्तव में थोक हत्या थी।

यह महत्वपूर्ण है कि इस समय राजा से बात करते समय हामान ने यही एकमात्र शब्द इस्तेमाल किया था। जब डिक्री अपनी त्रिगुणात्मक शब्दावली के साथ लिखी गई, तो उसका मतलब समझने में कोई गलती नहीं हुई। राजा ने जिस अभद्र तरीके से भारी भरकम रिश्वत के साथ पूरी प्रजा को नष्ट करने के हामान के अनुरोध को स्वीकार कर लिया, वह चौंकाने वाला है।

यदि राजा इस भ्रम में था कि यह दासता के लिए बिक्री थी और यह उसके क्षेत्र की भलाई के लिए था क्योंकि उसके लोगों ने किसी प्रकार का खतरा उत्पन्न किया था, तो उसकी प्रतिक्रिया कुछ हद तक अधिक समझ में आ सकती है। फिर भी, उन्होंने पहले पैसे और फिर लोगों को संबोधित करते हुए, एक हस्ताक्षर अंगूठी लहराते हुए उन्हें खारिज कर दिया। जब ज़ेरक्स ने अपनी हस्ताक्षर अंगूठी सौंपी, जिसमें उसे अधिकार निहित था, हामान का पूरा नाम प्रकट होता है, उसके बाद विशेषण, यहूदियों का विरोधी आता है।

शब्द शत्रु से भी अधिक शक्तिशाली है बेटे. वह दुःख देने वाला, कष्ट देने वाला होता है। ऐसा लगता है कि राजा ने हामान के प्रस्ताव को किसी रूप में स्वीकार कर लिया, क्योंकि मोर्दकै एक वित्तीय लेनदेन की रिपोर्ट करेगा, और एस्तेर ने घोषणा की कि उसके लोग वास्तव में बेचे गए थे।

हालाँकि धन और अवद के अर्थ के संबंध में कुछ जानबूझकर अस्पष्टता रही होगी, एक बार राजा ने हामान से कहा कि वह धन अपने पास रखे और लोगों के साथ अपनी इच्छानुसार व्यवहार करे, हामान के आदेश में भयावह और अचूक हत्या और विनाश शामिल हो गया। राजा ने कभी भी स्पष्टीकरण नहीं मांगा, बल्कि हामान को अपनी इच्छानुसार कार्य करने के लिए स्वतंत्र शासन दिया, पूरी प्रजा को वध या गुलामी के लिए सौंप दिया और तुरंत इसके बारे में भूल गया। श्लोक 12 में, निसान के श्लोक 7 में पिछला उल्लेख फसह का परोक्ष संकेत था।

अब, निहितार्थ पूरी ताकत से सामने आ गए हैं। यहां यह उल्लेख किया गया है कि यह आदेश फसह से एक दिन पहले, पहले महीने की 13वीं तारीख को लिखा गया था। उस समय जब इज़राइल के बच्चे पारंपरिक रूप से मिस्र के बंधन से मुक्ति की कथा पढ़ते थे, तो इसके बजाय उन्हें किसी अन्य विदेशी उत्पीड़क के तहत विनाश की भयावह संभावना का सामना करना पड़ता था।

और इसके बाद नौकरशाही मशीनरी दोबारा हरकत में आ गई. शास्त्रियों को बुलाया गया। हामान ने जो कुछ भी माँगा वह सब राजा के नाम पर लिखा गया था और उसकी हस्ताक्षर अंगूठी से सील किया गया था, प्रत्येक क्रिया एक निष्क्रिय क्रिया द्वारा इंगित की गई थी।

श्लोक 13 में लिखा है कि राजा के सभी प्रांतों में दूतों द्वारा संदेश भेजे गए थे कि एक ही दिन में, 12वें महीने के 13वें दिन, सभी यहूदियों, युवा और बूढ़े, महिलाओं और छोटे बच्चों को नष्ट कर दिया जाए, मार डाला जाए और नष्ट कर दिया जाए। अदार के महीने में, और उनका माल लूट लेना। आदेश की एक प्रति हर प्रांत में कानून के रूप में जारी की जानी थी और हर राष्ट्रीयता के लोगों को बताई जानी थी ताकि वे उस दिन के लिए तैयार हो सकें। निष्क्रिय आवाज के बार-बार उपयोग से उत्पन्न दूरी और गैर-भागीदारी की भावना के विपरीत, यहां हम डिक्री-आदेश देने वाली कार्रवाई देखते हैं।

उन्हें एक ही दिन में सभी यहूदियों, युवा और बूढ़े, महिलाओं और बच्चों को नष्ट करना, मारना और नष्ट कर देना था। दोहरे पाठ में इतने सारे पाठ के साथ, त्वरित उत्तराधिकार में इन तीन क्रियाओं की ताकत, जिसके बाद व्यापक पीड़ित सूची आती है, अचूक है। सभी असली मालिकों और संभावित उत्तराधिकारियों को एक ही दिन में निपटाने के बाद सभी लूटपाट को मुफ्त में बंद कर दिया गया।

आयत 15 में, हम देखते हैं कि साम्राज्य के दूर-दराज इलाकों में संदेशवाहक भेजे जा रहे थे, जहाँ, जैसा कि हम अध्याय 9 से सीखते हैं, प्रति-आदेश के बाद भी, बड़ी संख्या में लोग इस उद्देश्य के लिए एकजुट हुए। इसी समय गढ़ में राजाज्ञा जारी कर दी गई। राजा और हामान ने एक निजी उत्सव मनाया, जो उनके अपराध की विशालता के बाद अपने कठोर स्वर के लिए उल्लेखनीय था।

और सुसा की आबादी, जो सूची में अंतिम स्थान पर है, वास्तव में इस डिक्री के बारे में उत्तेजित थी, हालांकि हमें यह नहीं बताया गया कि यह क्यों या किस रूप में हुआ। वास्तव में, भ्रम का एक महत्वपूर्ण हिस्सा अलग-अलग प्रतिक्रियाओं के विशाल और पेचीदा परिसर के कारण हो सकता है, एक तरफ डरावनी से लेकर अनियंत्रित उल्लास तक। वे प्रतिष्ठित थे, सुसा के ये लोग, गढ़ के अभिजात वर्ग से, एक अल्पसंख्यक जिसने रक्तपात को अनिवार्य किया था और जहां आदेश प्रख्यापित किया गया था।

जैसे ही हम अध्याय 4 की ओर बढ़ते हैं, हम मोर्दकै की प्रतिक्रिया देखते हैं। यह प्रत्यक्ष और श्रव्य रूप से स्पष्ट था। फटे हुए वस्त्र और मोटे बकरी या ऊँट के बालों से बने टाट के कपड़े प्रदर्शन और आत्म-अपमान के वस्त्र थे।

धूल और राख मृत्यु द्वारा शरीर के विनाश की याद दिलाते थे। ये प्रथाएँ अनुष्ठान की अशुद्धता और ईश्वर से अलगाव का प्रतीक थीं। टाट द्वारा दर्शाई गई अंतर्निहित शर्म के कारण, इसे राजा के द्वार में सत्ता के क्षेत्र को गंदा करने की अनुमति नहीं थी।

मोर्दकै के आक्रोश की अत्यधिक कड़वाहट, वस्तुतः वह बहुत जोर से चिल्लाया, न केवल उसके लोगों के लिए उत्पन्न खतरे के कारण था, बल्कि शायद उन परिस्थितियों में उसकी अपनी जिम्मेदारी के कारण भी था जिसने इस स्थिति को जन्म दिया। हामान के सामने झुकने से इंकार करने से उसके संपूर्ण लोगों के लिए संकट बढ़ गया था। हालाँकि, उनके स्थान का चुनाव एक और मकसद का संकेत है, संभवतः उनके सार्वजनिक आक्रोश में।

यह एस्तेर का ध्यान आकर्षित करने और उसे कार्रवाई में लाने का सबसे अच्छा तरीका था। महल के एकांत में उसे पता ही नहीं चला कि कुछ हुआ है. श्लोक 3, जिस जिस प्रान्त में राजा की आज्ञा और आज्ञा पहुंची, वहां सब यहूदियों ने उपवास, रोना, और विलाप करते हुए बड़ा शोक मनाया।

बहुत से लोग टाट और राख पर लेटे हुए थे। यहाँ, हम मोर्दकै के दुःख को व्यक्तिगत स्तर पर प्रतिबिंबित और विस्तारित देखते हैं क्योंकि संपूर्ण यहूदी आबादी खुले तौर पर विलाप करती है। उपवास उनके शोक की एक प्रमुख विशेषता थी, और यह उस दावत का प्रतिरूप है जो पूरे पाठ में प्रचलित है, और हम इसे और अधिक देखेंगे।

जैसे ही शेष अध्याय सामने आता है, मोर्दकै और एस्तेर का आमना-सामना होता है, इस टकराव की मध्यस्थता रानी एस्तेर के किन्नरों में से एक हथाक ने की। प्रारंभ में, एस्तेर ने मोर्दकै को चुनौती दी। इस बिंदु पर, उसकी स्थिति को देखते हुए, उसकी धारणा में, मोर्दकै की हरकतें खतरनाक रूप से अनुपयुक्त थीं।

हिब्रू में रानी शीर्षक का उपयोग किया जाता है, क्योंकि इस शब्द का विषय बहुत संकट में था। यह एक ऐसा शब्द है जिसका प्रयोग केवल एक बार किया गया है और इसके मूल में छटपटाहट का बोध होता है। उसकी प्रतिक्रिया शर्मिंदगी का संकेत देती है।

उसे कपड़े भेजना उसके गुस्से को यथासंभव प्रभावी ढंग से और जल्दी से दबाने का एक प्रयास था, कहीं ऐसा न हो कि इसका उस पर बुरा प्रभाव पड़े। उनकी पारंपरिक प्रतिक्रिया अतिवादी प्रतीत होगी, और अनुष्ठान टाट अत्यंत अरुचिकर और अनुचित होगा। आख़िरकार, एस्तेर ने अदालती प्रोटोकॉल के अनुसार काम करते हुए पाँच साल बिताए थे, और निस्संदेह वह इस बात को लेकर बहुत चिंतित थी कि राजा क्या सोचेगा और वह कैसे प्रतिक्रिया देगा।

संभवतः उपस्थिति की हड़बड़ी को काटते हुए, एस्तेर ने खोजे हताक को बुलाया, जिसे उसकी सेवा के लिए नियुक्त किया गया था, और उसे मोर्दकै के पास भेजा। उसे हथाच पर बहुत अधिक भरोसा रहा होगा, और इस स्थिति की संवेदनशीलता सामने आने के बाद उसके पास ऐसा करने का और भी अधिक कारण होगा। हिब्रू, भूलभुलैया और भूलभुलैया, उस पूछताछ को मजबूत करती प्रतीत होती है जो वह उससे पूछती है।

यह इसके बराबर हो सकता है कि आप पृथ्वी पर क्या कर रहे हैं? श्लोक छह से असाधारण आदान-प्रदान शुरू होता है। हैथैच की निरंतर उपस्थिति कथा की गति को धीमा करने का काम करती है और इस प्रकार जब वह मध्यस्थता करता है तो तनाव बढ़ जाता है। इस पहले उद्यम में, प्रवचन अप्रत्यक्ष है, क्योंकि एस्तेर के लाभ के लिए आदेश की परिस्थितियों को दोहराया गया था।

श्लोक सात में, मोर्दकै ने सबसे पहले बताया कि उसके साथ क्या हुआ था, इसमें कोई संदेह नहीं है कि हामान के सामने झुकने का आदेश, ऐसा करने से इनकार करना, और कठोर परिणाम जिसके परिणामस्वरूप यहूदी लोगों की ओर से उसे शोक करना पड़ा। फिर उसने अपने स्रोतों द्वारा प्रदान किए गए पुख्ता विवरण प्रस्तुत किए, यहाँ तक कि हामान ने उनके विनाश के लिए कितनी धनराशि की पेशकश की थी। उन्होंने प्रदर्शित किया कि उनकी चिंता अस्पष्ट जानकारी पर नहीं, बल्कि सटीक ज्ञान पर आधारित थी।

स्थिति की गंभीरता की और पुष्टि करने के लिए, मोर्दकै ने हथाक के लिए लिखित आदेश की एक प्रति तैयार की। मोर्दकै को उम्मीद थी कि एस्तेर रिपोर्ट को आत्मसात करेगी और उसके अनुसार कार्य करेगी, जिसका मतलब दया की याचना करना और अपने लोगों की ओर से राजा से विनती करना था। दूसरे शब्दों में, इस बिंदु पर, मोर्दकै एस्तेर से उस पहचान को उजागर करने के लिए कह रहा था जिसे उसने इस बिंदु तक छिपाने के लिए कहा था।

और यह आखिरी बार है कि मोर्दकै एस्तेर को आदेश देगा। श्लोक 10 से, हथाक ने मध्यस्थता करना जारी रखा, लेकिन एस्तेर और मोर्दकै के शब्दों को सीधे संवाद के रूप में प्रस्तुत किया गया है। शाब्दिक रूप से, एस्तेर ने उसे, यानी हथाक को, मोर्दकै के पास लौटते ही आदेश दिया, और आधिकारिक रानी के रूप में उसकी भूमिका इस बिंदु पर उभरने लगी और थोड़े समय में पूरी तरह से सक्रिय हो जाएगी।

पद 11, मोर्दकै को एस्तेर के शब्द, उद्धरण, राजा के सभी हाकिम और शाही प्रांतों के लोग जानते हैं कि कोई भी पुरुष या महिला जो बिना बुलाए भीतरी आंगन में राजा के पास आता है, राजा के पास केवल एक ही कानून है, कि वह मौत देना। इसका एकमात्र अपवाद यह है कि राजा उसे सोने का राजदंड दे और उसकी जान बख्श दे, लेकिन मुझे राजा के पास जाने के लिए बुलाए

हुए 30 दिन बीत चुके हैं। यहाँ, एस्तेर के पहले स्पष्ट शब्दों ने लगभग निश्चित मृत्यु के सामने निष्क्रियता के लिए एक वैध क्षमा याचना का गठन किया।

उन्होंने व्यापक प्रतिबंध के बारे में सामान्य ज्ञान के आधार पर अनिच्छा व्यक्त की। पाठ कहता है, कोई भी पुरुष या महिला। इसके अलावा, हर कोई जानता था, और निहितार्थ यह है कि मोर्दकै को भी यह जानना चाहिए था, खासकर जब से ऐसा लगता है कि वह बाकी सब कुछ जानता था।

अपनी भलाई के लिए एस्तेर की चिंता इस बात पर आधारित थी कि उसे 30 दिनों तक राजा के पास नहीं बुलाया गया था, यह बात मोर्दकै को पता नहीं थी। एस्तेर को संभवतः राजा के अन्य क्रूर कृत्यों के बारे में पता था। उसके अनुमान के अनुसार, यह स्वीकार करने का अतिरिक्त उकसावा कि वह यहूदी है, मामले को निराशाजनक बना देगा।

उसके प्रति मोर्दकै की प्रतिक्रिया तीखी थी, उसने उसके शाही पद के विशेषाधिकार को उसकी यहूदी पहचान के विरुद्ध खड़ा कर दिया और यह सूचित किया कि खतरा इतना बड़ा है कि पसंदीदा रानी होने के बावजूद भी वह उसे नहीं बचा पाएगी। उस ने कहा, यह न समझो, कि तुम राजा के भवन में हो, इसलिये सब यहूदियों में से केवल तुम ही बचोगे। क्योंकि यदि तुम इस समय चुप रहोगे, तो यहूदियों के लिये दूसरी जगह से राहत और छुटकारा मिल जाएगा, परन्तु तुम और तुम्हारे पिता का परिवार नष्ट हो जाएगा।

और कौन जानता है, परन्तु यह कि तुम ऐसे ही समय के लिये राजपद पर आये हो। दूसरे शब्दों में, एक बार जब हामान को पता चला कि वह यहूदी है और मोर्दकै से संबंधित है, तो उसका भाग्य भयानक होगा। मोर्दकै ने यह नहीं बताया कि उसने कैसे अनुमान लगाया था कि हामान उस विवरण का या ठीक-ठीक पता लगा सकता है कि यह विश्वासघात किस ओर से हो सकता है।

जैसा कि उन्होंने स्पष्ट किया, सभी यहूदियों से बचने का दोहरा अर्थ हो सकता है। या तो वह बच नहीं पाएगी क्योंकि उसकी पहचान अन्य यहूदियों के साथ-साथ उजागर हो जाएगी, या शायद वह स्वयं यहूदियों के हाथों प्रतिशोध से नहीं बच पाएगी, जिन्हें दूसरे क्वार्टर से वितरित किया जाएगा और फिर शायद जो टर्नकोट थे। एस्तेर शायद यह सोचकर प्रलोभित हुई होगी कि, छह साल तक अपनी पहचान छुपाने के बाद, वह ऐसा करना जारी रख सकती है।

मोर्दकै ने उस भ्रम को तोड़ दिया। श्लोक 14 का प्रारंभिक पाठ, जिसे हमने अभी पढ़ा है, ईश्वर की कृपा में मोर्दकै की अटूट आशा को इंगित करता प्रतीत होता है। उन्होंने कहा, भले ही एस्तेर चुप रहे, मुक्ति दूसरी जगह से मिलेगी, लेकिन एस्तेर के पास खुद अपने लोगों की मुक्ति में एक महत्वपूर्ण खिलाड़ी बनने का अवसर था।

फिर भी, यह बिल्कुल भी स्पष्ट नहीं है कि मुक्ति के बारे में कथन को स्वयं कैसे पढ़ा जाए और फिर इसे शेष श्लोक के संदर्भ में, साथ ही श्लोक 13 के अंत में संभावित खतरे के संदर्भ में कैसे पढ़ा जाए। किसी भी कारण से, मोर्दकै ने अभी-अभी एस्तेर को चेतावनी दी थी कि वह राजा के

घराने में प्रतिरक्षित नहीं है, और उसने यहाँ भी चेतावनी दोहराई, तू और तेरे पिता का घराना नष्ट हो जाएगा। उत्तरार्द्ध में वह भी शामिल था, क्योंकि वह उसका एकमात्र परिवार था।

यह उसके लिए विशेष रूप से इंगित किया जाएगा, क्योंकि उसका पालन-पोषण उसके पिता के घर की अनुपस्थिति में उसके द्वारा किया गया था। इसके अलावा, उन्हें शाही पद पर लाए जाने के कारण पर विचार करने की उनकी चुनौती तभी प्रभावी थी जब कोई अन्य विकल्प न हो। अन्यथा, वह आसानी से कुछ न करने के लिए प्रलोभित हो सकती थी, इस उम्मीद पर टिकी हुई थी कि वास्तव में कहीं और से राहत मिलेगी।

मुद्दे को संबोधित करने का एक तरीका यह मानना है कि मदद मिल सकती है, हिब्रू शब्द यामोद है, लेकिन यह कहीं और होगा, और भंवर के केंद्र में हामान के शाही महल की निकटता का मतलब एस्तेर और मोर्दकै होगा बह जायेंगे. लेकिन यहां एक और संभावना है. इस श्लोक का दूसरा खंड एक अलंकारिक प्रश्न हो सकता है जो नकारात्मक प्रतिक्रिया मानता है।

दूसरे शब्दों में, प्रासंगिक भाग में पढ़ा जाएगा, यदि आप इस समय चुप रहेंगे, तो क्या यहूदियों के लिए दूसरी जगह से मदद और मुक्ति आएगी? उत्तर, नहीं, ऐसा नहीं होगा, और तू और तेरे पिता का घराना भी नाश हो जाएगा। यह प्रतिपादन, संभवतः व्याकरणिक रूप से, उन समस्याओं को संबोधित करता है जो पाठ के पारंपरिक पाठन पर निर्भर हैं। अर्थात्, यदि किसी अन्य स्थान से तात्पर्य किसी भी स्थान से सहायता प्राप्त होती है, तो एस्तेर के परिवार और विशेष रूप से मोर्दकै को भी इस एजेंट द्वारा क्यों नहीं पहुंचाया जाएगा? मोर्दकै की चुनौती की वास्तव में गंभीर प्रकृति के परिणामस्वरूप, एस्तेर का मूड नाटकीय रूप से बदल गया, और कहानी एक बहुत ही निर्णायक मोड़ लेती है।

इस महत्वपूर्ण क्षण में, एस्तेर ने अपने जीवन की संभावित कीमत पर भी, सार्वजनिक रूप से अपने लोगों के साथ पहचान बनाने का विकल्प चुना। वह अपने अभिभावक की आज्ञाकारिता और बुतपरस्त दरबार की मांगों के प्रति जवाबदेही के नाजुक संतुलन को प्रबंधित करने में माहिर थी। हालाँकि, इस बिंदु पर, उसके चरित्र की ताकत राजा के कानून की अवहेलना करने, अपनी यहूदी पहचान प्रकट करने और साम्राज्य के सबसे शक्तिशाली व्यक्ति का सामना करने के संकल्प में प्रकट हुई थी।

इस ज्ञान के साथ कि उपवास उनकी परंपरा का एक प्राचीन और सम्मानजनक हिस्सा था, उन्होंने एक कॉर्पोरेट और व्यापक उपवास का आह्वान किया, इस प्रकार इस संकट में सांप्रदायिक भागीदारी जारी रखी जो कि आदेश की प्रतिक्रिया के रूप में शुरू हुई थी। ईश्वर के हस्तक्षेप के लिए एक क्रांतिकारी अपील, यह उपवास गंभीरता के लिए सभी अनिवार्य उपवासों से आगे निकल गया। तीन दिन और रात तक न तो खाना होगा और न ही पीना होगा।

इसलिए, भले ही प्रार्थना का स्पष्ट रूप से उल्लेख नहीं किया गया है, यह निस्संदेह उद्यम का हिस्सा था। यहूदी धर्म के साथ अपनी सार्वजनिक पहचान की शुरुआत में, एस्तेर ने खुद को इसके सबसे कठोर अनुशासनों में से एक के अधीन कर लिया, और उसने आगे यह निर्धारित

किया कि उसकी युवा महिलाएं, जो शायद यहूदी भी नहीं थीं, उसके साथ उसी तरीके से उपवास करेंगी। उसके बाद, वह राजा की उपस्थिति में प्रवेश करेगी।

मोर्दकै को उसके समापन शब्द बता रहे हैं। दैवीय दया के लिए इस आश्चर्यजनक कॉर्पोरेट अपील के बावजूद, उसे उम्मीद थी कि उद्यम विफल हो जाएगा। उनके कथन का अनुवाद तब किया जा सकता है जब मैं नष्ट हो जाऊं, मैं नष्ट हो जाऊं, जो उनकी मान्यता को दर्शाता है कि मृत्यु किसी भी विकल्प का संभावित परिणाम थी।

विडंबना यह है कि उनके निर्णय ने उन्हें शेष नाटक में निष्क्रिय प्राप्तकर्ता से अभिनेता और आरंभकर्ता बना दिया। पद 17, इसलिए मोर्दकै चला गया और एस्तेर के सभी निर्देशों का पालन किया। पहले शब्द में कहा गया है कि मोर्दकै पार हो गया, और उस आधार पर, शुरुआती रब्बी व्याख्याकारों ने सुझाव दिया कि उसने निसान के 13 और 14 तारीख को उपवास का आदेश देकर भगवान की आज्ञा का उल्लंघन किया।

हालाँकि, हो सकता है कि वह यहूदियों को इकट्ठा करने और उपवास शुरू करने के लिए बस गढ़ छोड़ कर सुसा शहर में चला गया हो। इस महत्वपूर्ण मोड़ पर, सेप्टुआजेंट में, केवल हमारे हित के लिए, मोर्दकै और एस्तेर की लंबी और भावपूर्ण प्रार्थनाएँ शामिल हैं। लेकिन फिर हम पाठ पर लौटते हैं।

तीन दिनों के उपवास के बाद, एस्तेर ने अध्याय पाँच में अपना भव्य प्रवेश किया। राजा के साथ मुठभेड़ की तैयारी के लिए एस्तेर ने शाही पोशाक पहनी और अपना स्थान ग्रहण किया। यह सिर्फ कपड़े नहीं थे, वह खुद को राजा के सामने पेश कर रही थी।

परन्तु जब राजा बैठा, तब एस्तेर खड़ी रही। वाक्य की संरचना महल पर इस तरह केंद्रित है कि सस्पेंस पैदा हो सके। बीट हामेलेक, महल और राजा के हॉल दोनों का अनुवाद, बीट हामालचुट, क्षमा करें, बीट हामालचुट और हाबीट का उपयोग एक कविता में चार बार किया जाता है।

दोनों अभिनेता द्वार के महत्वपूर्ण बिंदु के सामने स्थित थे। राजा महल में विराजमान था, वह महल के पास आ रही थी। राजा ने जो देखा वह रानी एस्तेर थी।

उसके राजसी आचरण ने फिर से उसका पक्ष जीत लिया, वह सक्रिय मुहावरा, और उसने राजदंड बढ़ाकर उस पक्ष का प्रमाण प्रदर्शित किया। हिब्रू में मापी गई और सावधान भाषा द्वारा सुझाए गए अनुसार एक सटीक और अपरिवर्तनीय प्रोटोकॉल था। अनुवादित, राजा ने एस्तेर की ओर सोने का राजदंड बढ़ाया जो उसके हाथ में था और एस्तेर पास आई और उसने राजदंड के सिर को छुआ।

इस बिंदु पर, सेप्टुआजिंट ने एस्तेर को अपनी नौकरानियों पर नाजुक ढंग से झुकते हुए देखा, जैसे ही वह पास आई, उसका दिल भय से भर गया, इसके बाद राजा के भयंकर क्रोध का वर्णन किया गया, जो भय और विस्मय को प्रेरित करना चाहता था, शायद यह सोचकर कि मैसोरेटिक पाठ , हिब्रू पाठ में पर्याप्त मसाले का अभाव है। अनुवाद और व्याख्याओं में नाटकीय परिवर्धन जारी है। एस्तेर गिर गई, वह पीली पड़ गई और बेहोश हो गई, और यद्यपि राजा क्रोधित था,

भगवान ने उसका दिल बदल दिया और इसके बजाय वह सिंहासन से उसके सहायकों के पास चला गया और उसे अपनी बाहों में आराम दिया, जबकि उसने उसे अपनी शाही महिमा की उचित स्वीकारोक्ति दी।

हिब्रू पाठ, श्लोक तीन पर वापस जाएं, तो राजा को स्पष्ट रूप से पता था कि कुछ महत्वपूर्ण बात ने एस्तेर को अपने जीवन को खतरे में डाल दिया और अदालत के प्रोटोकॉल का उल्लंघन किया। उनका प्रश्न हिब्रू मह-लक से शुरू हुआ, जिसका शाब्दिक अर्थ है, इसका आपके लिए क्या है या आपके साथ क्या है? हालाँकि, यह वह पैटर्न वाली बयानबाजी नहीं थी जो उन्होंने बाद के दिनों में इस्तेमाल की थी। यह बहुत अधिक संक्षिप्त था।

शायद वह उसकी उपस्थिति से प्रभावित हुआ था और पूछताछ का एक हिस्सा वास्तव में उसकी अपनी परेशानी थी। हालांकि यह अटपटा लग सकता है, उन्होंने इसके बाद आगे मानक प्रश्न पूछा, आपका अनुरोध क्या है, जो फिर से सामने आएगा। आधे राज्य तक का वादा एक परंपरा प्रतीत होती है, हम इसे मार्क अध्याय छह में फिर से देखते हैं, लेकिन फिर भी यह एक दिलचस्प बात है।

भले ही उसके पास अपने राजदंड के रूप में जीवन और मृत्यु की शक्ति थी, फिर भी वह उसके अनुरोध पर हावी होने के लिए तैयार था और वास्तव में, उसके बोलने से पहले उसने उसे देने का वादा किया था। एस्तेर का अनुरोध कि हामान और राजा एक निजी भोज में शामिल हों जो उसने पहले ही तैयार किया था, यह दर्शाता है कि उसने सावधानीपूर्वक अपनी रणनीति तैयार की थी। राजा की उपस्थिति में उसके साहस को देखते हुए, उसे केवल एक भोज में आमंत्रित करने के लिए उसे संकेत दिया गया कि वास्तविक मुद्दे का खुलासा होना अभी बाकी है।

निस्संदेह, इस पैंतरेबाज़ी ने उनकी जिज्ञासा बढ़ा दी। दावत, अदालत की संस्कृति और पाठ्य विषयों दोनों को फिट करने के अलावा, उसके अनुरोध की कठिन और नाजुक प्रकृति को संबोधित करने के लिए एक कम कठोर और सार्वजनिक स्थान प्रदान करेगी। एस्तेर के निमंत्रण का हिब्रू रूप दो इच्छित मेहमानों के कद को ध्यान में रखते हुए था।

वस्तुतः, इसमें लिखा होगा, राजा को आने दो, श्लोक आठ भी। इसलिए, राजा ने एस्तेर के अनुरोध का पालन किया। हामान को शीघ्रता से लाया गया और राजा ने प्रवेश किया, फिर से एकवचन क्रिया ने शायद उसे हामान के साथ अलग कर दिया।

इस समय, फ़ारसी साम्राज्य के तीन स्पष्ट रूप से सबसे शक्तिशाली लोग एक कमरे में एक साथ थे। और इसलिए, हमने श्लोक छह पढ़ा, जब वे शराब पी रहे थे तो राजा ने एस्तेर से फिर पूछा, अब आपकी याचिका क्या है? यह तुम्हें दे दिया जाएगा. और आपका अनुरोध क्या है? यहाँ तक कि आधे राज्य तक भी यह दिया जाएगा।

ऐसा लगता है कि शराब की खपत के लिए एक अलग कोर्स था, वस्तुतः शराब की दावत, भोज के अंत में एक मिश्ते यायिन। शायद यह मुख्य रात्रिभोज के दौरान अनुपयुक्त समझे गए मुद्दों को संबोधित करने के अवसर के रूप में कार्य करता था। राजा की पहली संक्षिप्त क्वेरी, जिसे हमने

श्लोक तीन में देखा था, आंशिक रूप से एस्तेर के स्पष्ट संकट में उसके बिन बुलाए प्रवेश के जवाब में थी।

इस संदर्भ में, शायद प्रोटोकॉल को ध्यान में रखते हुए उनका तरीका कहीं अधिक नपा-तुला था। यदि वास्तव में दोहरी याचिका और अनुरोध मानक अदालती बयानबाजी थी, तो एस्तेर उस पैटर्न को जानती होगी और उसने अपना महत्वपूर्ण अनुरोध तैयार किया होगा, जिसे वह इस चीज़ को पूरी तरह से फिट करने के लिए समय से पहले दूसरे भोज, अध्याय सात में पेश करेगी। इस दोहरी बयानबाजी ने सातवीं पंक्ति में कथात्मक ढांचे और एस्तेर की पहली पैटर्न प्रतिक्रिया दोनों को आकार दिया।

उसने उत्तर दिया और कहा, एक शाब्दिक प्रतिपादन है, एक बहुत ही हिब्रू निर्माण , लेकिन यह दोहरा है; उसने जवाब दिया और कहा, मेरी याचिका और मेरा अनुरोध। यहां अधूरा वाक्य जानबूझकर दिया गया है, हालांकि यह अधिकांश आधुनिक अनुवादों के विपरीत है, जो केवल श्लोक आठ को इस अनुरोध की निरंतरता के रूप में पढ़ते हैं। हालाँकि, स्पष्ट रूप से, उनका अनुरोध केवल यह नहीं था कि वे अगले भोज में आएं, जैसा कि हम श्लोक आठ में पढ़ते हैं।

एक संवेदनशील दर्शक उसके रुकने की कल्पना कर सकता था, शायद खुद को स्थिर करने के लिए अगर वह दबाव में लड़खड़ा रही थी। हो सकता है कि उसने अनायास ही उस क्षण को टाल दिया हो जब उसे राजा के पसंदीदा सलाहकार के विश्वासघात को उजागर करना था और अपनी पहचान घोषित करनी थी। दूसरी ओर, ठहराव हामान को व्यवस्थित रूप से पूर्ववत करने की उसकी गणना की गई योजना में अगले चरण का प्रतिनिधित्व कर सकता है।

श्लोक आठ: यदि राजा मुझ पर अनुग्रह करता है, और यदि राजा को मेरी बिनती स्वीकार करने और मेरी विनती पूरी करने में प्रसन्नता होती है, तो राजा और हामान कल भोज में आएं; मैं उनके लिए तैयारी करूंगा. फिर, मैं राजा के प्रश्न का उत्तर दूंगा। यहां, एस्तेर के पास वाकपटुता की पूरी कमान थी, एक निपुण राजनयिक दोहरे रूपों की पूरी सीमा का उपयोग कर रहा था जैसा कि राजा ने स्वयं उन्हें व्यक्त किया था।

उसने मामले को उत्कृष्ट ढंग से प्रस्तुत किया, जिससे राजा उसके अनुरोध को स्वीकार करने के लिए बाध्य हो गया जब अंततः वह अनुरोध आएगा। बोली, अगर मेरी प्रार्थना स्वीकार करना ठीक लगे तो उसे आने दो। इसके अलावा, यदि मुझे अनुग्रह मिला है और यदि यह अच्छा लगता है, तो उसने यह सब अपने स्वयं के उत्कर्ष से प्रस्तुत किया।

पहली अभिव्यक्ति, फिर से, एहसान ढूँढना, अधिक सामान्य मुहावरा है और शायद उसकी ओर से एक निश्चित सम्मान का संकेत देती है। यदि शुरू से ही दूसरे भोज के निमंत्रण की योजना बनाई गई, तो यह हामान को एक ऐसी मानसिकता में डाल देगा जो घोषणा होने पर स्तब्ध रह जाएगा और शायद उसकी ओर से एक चतुर राजनीतिक चोरी को रोका जा सकेगा। एस्तेर का वादा वस्तुतः राजा के वचन के अनुसार करने का था।

इस तथ्य के प्रकाश में एक दिलचस्प घोषणा कि उसने कहा था कि वह उसके लिए आधे राज्य तक कुछ भी करेगा। अपने पहले निमंत्रण के विपरीत, यहां एस्तेर ने कहा कि वह राजा के लिए

नहीं, बल्कि उनके लिए भोज तैयार करेगी। यह एक अस्पष्ट समावेशन है जिससे राजा की ओर से ईर्ष्या की भावना चरम पर हो सकती है।

इस प्रकार, जैसा कि रब्बी टिप्पणीकार सुझाव देता है, उसे अगली रात जागते रहना चाहिए। इस बिंदु पर, कथाकार बड़ी कुशलता से दर्शकों को सस्पेंस में छोड़ देता है क्योंकि हामान और मोर्दकै के बीच संबंध फिर से शुरू हो जाता है। हम फिर से अध्याय पाँच के अंत में अगले दो संक्षिप्त विवरण में हामान की अस्थिरता को देखते हैं।

श्लोक नौ भी द्विपद पर बना है। खुशी और उच्च आत्माएं, टोव लेव, वस्तुतः अच्छा दिल, हामान की विशेषता मोर्दकै के उठने या कांपने से इनकार करने के विपरीत है। पहले, हामान ने जिस आदेश का उल्लंघन किया था, क्षमा करें, पहले मोर्दकै ने जिस आदेश का उल्लंघन किया था, वह हामान के सामने झुकना और साष्टांग प्रणाम करना था।

अब, उपवास के तीन दिन पूरे करने के बाद और संभवतः यह जानते हुए कि एस्तेर सफलतापूर्वक सिंहासन कक्ष में प्रवेश कर चुकी है, वह गेट पर वापस बैठ गया था, संभवतः वह जो भी जानकारी प्राप्त कर सकता था उसे इकट्ठा करने का इरादा रखता था। हामान को आते देखकर, उसने अनिवार्य प्रक्रिया में पहले कदम के रूप में खड़े होने से इनकार कर दिया। अतिरिक्त क्रिया बता रही है.

हामान ने अपने आदेश से आतंक फैलाना चाहा था, परन्तु मोर्दकै घबराया नहीं। परिणामस्वरूप, हामान की मनःस्थिति क्रोध में बदल गई। श्लोक 10 और 11 में उसने उदासीन होने का दिखावा किया, लेकिन उसकी भावनाएँ उसके घायल अभिमान के अंतिम विस्फोट में अपने दोस्तों के सामने अत्यधिक शेखी बघारने के रूप में सामने आईं।

दर्शकों की चाहत में उसने अपने दोस्तों और अपनी पत्नी ज़ेरेश को बुलाया, जिन्हें उन चीज़ों का पाठ सुनना था जो वे पहले से ही जानते थे और शायद पहले भी कई बार सुन चुके थे। पद्य में क्रम यह संकेत दे सकता है कि उसके लिए सबसे महत्वपूर्ण क्या था। उसने पहले अपनी अपार संपत्ति के बारे में बात की, और फिर अपने कई बेटों के बारे में।

उसके बाद, उन्होंने अपने स्वयं के ऊंचे दर्जे के बारे में वाक्पटुता से प्रदर्शन किया, विशेष रूप से किसी भी तुलनीय कद के अन्य सभी लोगों से ऊपर। यदि मित्रों ने उसके सभी पूर्ववर्ती दावे पहले ही सुन लिए थे, तो तथ्य यह था कि केवल उसे ही रानी एस्तेर के साथ निजी तौर पर भोजन करने का विशेषाधिकार प्राप्त था और राजा उनके लिए नया था। वस्तुतः, उसे भोज में लाया गया था, जैसे वह दूसरे भोज में होगा, और यदि वह पर्याप्त नहीं था, तो उसने कहा, कल भी ऐसा ही होना तय था।

और इस बिंदु पर, हामान ने अपने आत्म-केन्द्रित अभिमान के महान दोष को प्रकट किया। हालाँकि वह राजा के बाद दूसरे स्थान पर था, फिर भी वह एक ऐसे व्यक्ति की आज्ञा चाहता था जिसने इसे अस्वीकार कर दिया था, और जिसकी प्रजा को उसने तुच्छ जाना था, वह यहूदी मोर्दकै था। इस समय तक, वह इतना अभिभूत हो चुका था कि मोर्दकै के अस्तित्व ने ही उसे नियंत्रण खो दिया था।

उद्धरण, जब तक मोर्दकै जीवित था, उसकी कोई भी उपलब्धि संतोषजनक नहीं थी। जवाब में, ऐसा लगता है कि ज़ेरेश ने हामान को आगे बढ़ने की सलाह देने में पहल की। श्लोक 14 में क्रिया एकवचन है, भले ही मित्र भी परामर्श का हिस्सा थे।

कथा में अन्य महिलाओं की तरह, उन्होंने ऐसे तरीके से अभिनय और बात की जिससे प्रतिक्रियाएं मिलीं, यह सब इस आदेश के प्रकाश में काफी मनोरंजक था कि पुरुषों को अपने घरों का मालिक बनना था। उसकी सलाह मोर्दकै और उन लोगों को शर्मिंदा करने के लिए बनाई गई थी जिनका वह प्रतिनिधित्व करता था, और ऐसा करते हुए, उस अपमान और घायल गर्व को संबोधित करता था जो हामान को हर बार मोर्दकै को देखने पर सताता था। मोर्दकै को एक हास्यास्पद ऊँचे खंभे, आठवें, वस्तुतः एक पेड़ पर लटकाने का अनुरोध, उसे पूरी तरह से कमजोर करने के लिए हामान के उन्माद को इंगित करता है।

यह खंभा पूरे सूसा में नजर आएगा। ऊंचाई का उद्देश्य इस तथ्य को प्रतिबिंबित करना भी हो सकता है कि इस सेटिंग में आधिकारिक तौर पर सब कुछ बड़े पैमाने पर किया गया था। समानांतर भव्य पैमाने के लिए, हम 90 फुट की मूर्ति में डैनियल अध्याय 3 का उल्लेख कर सकते हैं।

लगता है वही मानसिकता हावी हो गई है. अध्याय 6 की ओर बढ़ते हुए, अध्याय 6 में व्यापक संयोग स्पष्ट संकेत हैं कि कुछ और भी होने वाला था। राजा को अचानक अनिद्रा हो गई।

इतिवृत्त मोर्दकै के अच्छे कार्य के बिंदु तक खुले हुए थे। मोर्दकै ने बिना कुछ कहे पाँच वर्ष तक प्रतीक्षा की। हामान एक शुभ क्षण में बाहर था जब राजा ने निर्णय लिया कि इस मामले को ठीक करने की आवश्यकता है।

और ऐसा हुआ कि राजा ने उस व्यक्ति का नाम नहीं लिया जिसका वह सम्मान करना चाहता था ताकि हामान ने मान लिया कि यह उसके अलावा कोई नहीं हो सकता। उलटफेर प्रोविडेंस के हाथ थे। अनिद्रा ने कहानी पलट दी।

यदि ऐसा नहीं हुआ होता, तो मोर्दकै एस्तेर के दूसरे भोज से पहले ही मर गया होता। श्लोक 1, अध्याय 6 में हम पढ़ते हैं, उसी रात राजा की नींद उड़ गई या टूट गई। नींद न आने की हताशा का एक बेहद सटीक चित्र।

प्राचीन और आधुनिक दोनों टिप्पणीकारों ने इस बात पर अनुमान लगाया है कि राजा इस तरह से पीड़ित क्यों थे। उसके विचारों के उलझे जाल में फंसकर उसे यह आशंका हो गई होगी कि उसने एस्तेर को आधा राज्य देने का वादा किया था। शायद हामान को निजी भोजों में आमंत्रित करने के एस्तेर के इरादों पर संदेह था और उसकी सूचना थी कि वह हामान और राजा के लिए समान रूप से उत्सुक थी।

या शायद एक हत्या के प्रयास की स्मृति जो कुछ साल पहले उसके दरवाजे के ठीक बाहर हुई थी। किसी भी स्थिति में, पठन सामग्री स्मृतियों की पुस्तक, दिनों की बातें थी। यह सेफ़र दिवरेई हयामीम का विस्तार है, जो इतिहास के लिए एक शब्द है।

यह भाषा की ज्यादतियों का एक और उदाहरण है जब कार्रवाई फ़ारसी अदालत के क्षेत्र में लौट आई। क्रिया रूप, जो कि वैहि, वैहियु और यहां निष्क्रिय कृदंत है, कुछ अवधि की एक प्रक्रिया का सुझाव देता है। हो सकता है कि अदालत के पाठक रात के काफी समय तक नींद में डूबे रहे हों।

नाम और उपाधियों के साथ ज़ेरक्स के खिलाफ हत्या के प्रयास का रिकॉर्ड लिखा हुआ पाया गया, दो निष्क्रिय क्रियाएं अवैयक्तिक अदालत को दर्शाती हैं और सही समय पर इन मामलों के संभावित अनावरण के सूक्ष्म संकेतक के रूप में कार्य करती हैं। निष्क्रिय आवाज़ श्लोक तीन में जारी है, शाब्दिक रूप से, क्या किया गया था? कुछ नहीं किया गया. युवा परिचारकों ने वैसा ही उत्तर दिया जैसा उनके पास अध्याय दो में था।

इस संदर्भ में सम्मान और महानता का विशिष्ट संदर्भ एस्तेर अध्याय तीन में हामान की पदोन्नति की प्रतिध्वनि है। वहां गलत तरीके से दिया गया सम्मान एक अन्याय था जिसे संबोधित करने की जरूरत थी। अध्याय छह, श्लोक चार, राजा ने कहा, दरबार में कौन है? अभी हामान राजा से मोर्दकै को उस फाँसी पर लटकाने के विषय में बात करने के लिये महल के बाहरी आँगन में गया ही था जो उसने उसके लिये बनवाया था।

उसके सेवकों ने उत्तर दिया, हामान दरबार में खड़ा है, उसे अन्दर ले आओ, राजा ने आदेश दिया। न तो राजा और न ही हामान सोया था और दोनों के मन में मोर्दकै था, लेकिन पूरी तरह से अलग उद्देश्यों के साथ। जैसे ही हामान ने बाहरी आँगन में प्रवेश किया, वह बहुत जल्दी था, जो अनुचित जल्दबाजी का संकेत था जिसके साथ वह मोर्दकै को ख़त्म करने पर आमादा था।

वह राजा से यह भी कहने आया था कि न पूछे, यह वास्तव में एक ढीठ रवैया है। हामान ने प्रवेश के शीघ्र क्षण के लिए तैयार रहने के लिए स्वयं को आँगन में खड़ा कर लिया था। राजा की उपस्थिति में उनका प्रवेश पूरी रात पढ़ने के बाद हुआ, जिससे पता चलता है कि उन्हें राजा के शयनकक्ष में ले जाया गया था।

और उस बिंदु पर, हम अस्थायी रूप से अपना आख्यान छोड़ देंगे।